रासेयो खेलों की जानकारी

राम-रावण युद्ध

दो दल आमने सामने 5 फीट दूरी पर खड़े होते हैं, निर्देशक दोनों दल के बीच खड़ा होता है। एक दल 'राम दल' और दूसरा 'रावण दल' कहलाता है, दोनों दल के पीछे 20 से 40 फीट की दूरी पर लकीरें डाली जाती है।

निर्देशक दोनों दल में से किसी एक दल का नाम पुकारता है, किन्तु उसके पहले अक्षर को बहुत धीरे बोलता है। जैसे रा...आ....आ...म, ताकि कुछ रहस्य रोमांच पैदा हो जावे। जैसे ही रा...आ...म बोला जाता है, राम दल दौड़ते हुए रावण दल का पीछा करता है और उस दल के खिलाड़ी को पकड़ने की कोशिश करता है, जो खिलाड़ी पकड़ा जाता है, वह आउट होता है और वह बाहर जाकर बैठ जाता है।

इसी प्रकार रा...व..ण कहने पर रावण दल का खिलाड़ी 'राम दल के खिलाड़ी' को पकड़ने की कोशिश करते हैं। यदि राम दल के खिलाड़ी रावण दल की सीमा रेखा से बाहर जाते हों तो रावण दल सुरक्षित हो जाता है। रावण दल की सीमा रेखा में पहुंचने पर राम दल के खिलाड़ी आउट हो जाते हैं। निर्धारित समय बाद आउट हुए खिलाड़ियों की संख्या गिनकर परिणाम घोषित किया जाता है।

रूमाल झपट्टा

खिलाड़ियों को दो दल में बाटा जाता है (सामान्यतः 10-10) खिलाड़ियों को आमने सामने 40 से 80 फीट की दूरी पर खड़ा किया जाता है। हर खिलाड़ी को एक नम्बर दिया जाता है।

(दोनों दलों की संख्या समान होनी चाहिए) दोनों दलों के बीचों-बीच 2 फीट व्यास का एक गोला बनाया जाता है।

निर्देशक एक सिरे पर दोनों दलों के बीच खड़ा होकर कोई भी एक नम्बर (1 से 10 तक) जोर से बोलता है, जैसे नं. 7 वैसे ही दोनों तरफ के 7 नम्बर के खिलाड़ी 2 फीट गोले के पास आ जाते हैं, जहां रूमाल रखा होता है। जो खिलाड़ी रूमाल उठाकर अपनी पंक्ति में वापिस लोटता है तो वह एक अंक अर्जित कर लेता है और पराजित खिलाड़ी उसके पीछे आकर खड़ा हो जाता है।

यदि रूमाल उठाकर वापस भागने वाले खिलाड़ी को विरोधी खिलाड़ी रास्ते में ही छू देता है तो वह एक अंक जीत लेता है, और हारने वाला खिलाड़ी उसके पीछे आकर खड़ा होता है। निर्देशक फिर दूसरा नम्बर पुकारता है। (खेल तब तक जारी रहता है जब तक कि कोई भी एक दल के सदस्य पूरे आउट नहीं हो जाते हैं।)

कितने भाई कितने

सभी खिलाड़ी गोलाकार खड़े हो जाते हैं। निर्देशक गोले के मध्य में रहते हैं। सीटी बजते ही खिलाड़ी गोले में धीरे-धीरे एक दूसरे के पीछे दौड़ते हैं। निर्देशक कहते हैं कितने भाई कितने? तब खिलाड़ी कहते हैं आप बोले जितने। यह क्रम दो तीन बार बोला जाता है। निर्देशक फिर संख्या की घोषणा करता है। जैसेः 5 तब खिलाड़ी 5-5 के दल बना लेते है। जो बच जाता है, वह आऊट हो जाता है। शेष दो खिलाड़ी के रहने पर वे विजयी घोषित किये जाते हैं।

ऐसे- कैसे

इसमें खिलाड़ी गोलाकार खड़े किये जाते हैं। 15 से 20 खिलाड़ी एक गोले में खेल सकते हैं। निर्णायक ऐसे कहने के साथ कुछ संकेत करेगा, सभी खिलाड़ियों को वैसा ही संकेत करना पड़ता है। निर्णायक के कैसे कहने पर खिलाड़ियों को कुछ संकेत नहीं करना होगा यानि उसे पूर्व की भांति रहना होगा। यदि कैसे कहने पर वह संकेत करता है तो वह आऊट माना जावेगा और वह निर्णायक की सहायता करने में मदद करेगा। शेष अन्तिम खिलाड़ी को विजेता घोषित किया जाता है।

प्रेरक उद्‌बोधन

1. कश्मीर हो या कन्या कुमारी।
   भारत माता एक हमारी।।
2. मानव-मानव एक समान।
   जाँत-पाँत का मिटे निशान।।
3. सूखी धरती करे पुकार।
   वृक्ष लगाकर करो श्रृंगार।।
4. शिक्षा से अन्याय मिटायें,
   भाई चारा खूब बढ़ायें।।
5. पढ़ना-लिखना है आसान,
   पढ़-लिखकर सब बनो महान।।
6. भाषा, वस्त्र, जाति अनेक,
   एक हृदय है, भारत देश।।

7. अन्धकार को क्यों धिक्कारें।
   अच्छा हो एक दीप जलायें।।
8. जागे देश की क्या पहचान,
   पढ़ा लिखा मजदूर किसान।
9. आओ सभी करले संकल्प,
   पढ़ लिख कर हो काया-कल्प।।
10. पढ़ेंगे पढ़ायेंगे जीवन सुखी बनायेंगे।
11. पढ़ लो बहनों, पढ़ लो भाई।
    पढ़ना लिखना है, सुखदाई।।
12. प्रकृति के दुश्मन तीन।
    पाउच, पन्नी, पॉलीथीन।।
13. काम न चलता बातों से।
    काम करें दोनों हाथों से।।
14. बोलो भारत माता की- जय जय जय।।

रासेयो के प्रमुख दूरभाष नम्बर

क्र.	पद	कार्यालय	मोबाइल
1.	राज्य सम्पर्क अधिकारी	2441056	9425979199
2.	क्षेत्रीय केन्द्र भोपाल	2464817	9425166093
3.	कार्यक्रम समन्वयक, दे.अ.वि.वि., इन्दौर	2523770	9098567471

Email : conssdavv@gmail.com
Website : www.dauniv.ac.in (nss)